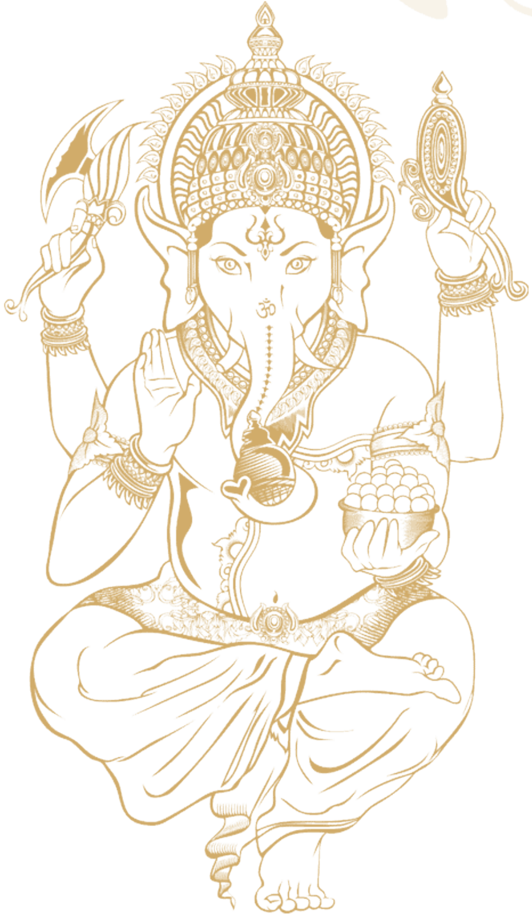

Mr.

10 Mar 2026

01:00 PM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121529809

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	15:55:41 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:38:04 घंटे
वेलान्तर	-00:10:18 घंटे
साम्पातिक काल	23:50:02 घंटे
सूर्योदय	06:37:43 घंटे
सूर्यास्त	18:27:11 घंटे
दिनमान	11:49:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:30:24 कुम्भ
लग्न के अंश	15:44:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वज्र
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:44:54	318:25:49	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	25:30:24	00:59:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	13:39:20	11:52:55	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	11:51:22	00:47:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	19:47:40	00:58:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:51:50	00:00:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:34:50	01:14:34	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			मीन	08:37:36	00:07:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:40:11	00:00:34	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:40:11	00:00:34	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:44:35	00:01:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:09:38	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:32:53	00:01:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	03:03:47	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

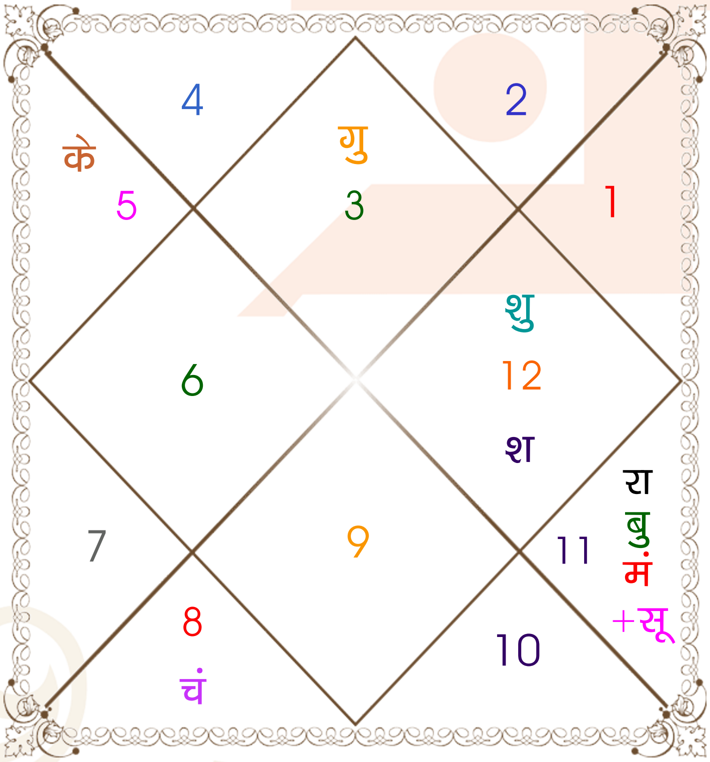

चन्द्र कुंडली

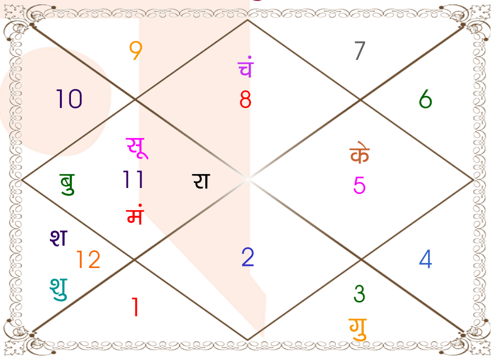

नवमांश कुंडली

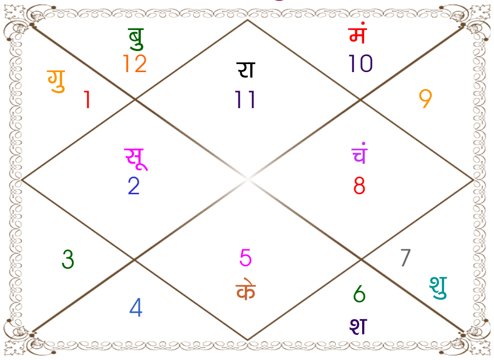

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 3 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/03/2026		24/06/2030		25/06/2047		24/06/2054		24/06/2074	
24/06/2030		25/06/2047		24/06/2054		24/06/2074		24/06/2080	
	00/00/0000	बुध	20/11/2032	केतु	21/11/2047	शुक्र	24/10/2057	सूर्य	12/10/2074
	00/00/0000	केतु	17/11/2033	शुक्र	20/01/2049	सूर्य	24/10/2058	चंद्र	12/04/2075
	00/00/0000	शुक्र	17/09/2036	सूर्य	28/05/2049	चंद्र	24/06/2060	मंगल	18/08/2075
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2037	चंद्र	27/12/2049	मंगल	24/08/2061	राहु	12/07/2076
	00/00/0000	चंद्र	24/12/2038	मंगल	25/05/2050	राहु	24/08/2064	गुरु	30/04/2077
	00/00/0000	मंगल	21/12/2039	राहु	12/06/2051	गुरु	25/04/2067	शनि	12/04/2078
	10/03/2026	राहु	09/07/2042	गुरु	18/05/2052	शनि	24/06/2070	बुध	17/02/2079
राहु	12/12/2027	गुरु	14/10/2044	शनि	27/06/2053	बुध	24/04/2073	केतु	25/06/2079
गुरु	24/06/2030	शनि	25/06/2047	बुध	24/06/2054	केतु	24/06/2074	शुक्र	24/06/2080

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/06/2080		24/06/2090		24/06/2097		26/06/2115		26/06/2131	
24/06/2090		24/06/2097		26/06/2115		26/06/2131		00/00/0000	
चंद्र	24/04/2081	मंगल	20/11/2090	राहु	07/03/2100	गुरु	13/08/2117	शनि	28/06/2134
मंगल	23/11/2081	राहु	09/12/2091	गुरु	01/08/2102	शनि	24/02/2120	बुध	07/03/2137
राहु	25/05/2083	गुरु	14/11/2092	शनि	07/06/2105	बुध	01/06/2122	केतु	16/04/2138
गुरु	23/09/2084	शनि	24/12/2093	बुध	25/12/2107	केतु	08/05/2123	शुक्र	16/06/2141
शनि	24/04/2086	बुध	21/12/2094	केतु	12/01/2109	शुक्र	06/01/2126	सूर्य	29/05/2142
बुध	24/09/2087	केतु	19/05/2095	शुक्र	12/01/2112	सूर्य	25/10/2126	चंद्र	28/12/2143
केतु	24/04/2088	शुक्र	18/07/2096	सूर्य	06/12/2112	चंद्र	24/02/2128	मंगल	05/02/2145
शुक्र	24/12/2089	सूर्य	23/11/2096	चंद्र	07/06/2114	मंगल	30/01/2129	राहु	11/03/2146
सूर्य	24/06/2090	चंद्र	24/06/2097	मंगल	26/06/2115	राहु	26/06/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 3 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रुपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।